SEMESTER-2 Paper-VII

Date 05.05.2020

Expt. No. TOPIC- हिन्दी शिक्षण विधि (Hindi Pedagogy)
हरबर्टीय पंचपदी

Page No. 03

(2) विषयोपस्थापन -

इस सोपान मे उद्देश्य कथन के साथ विषय का प्रस्तुतीकरण किया जाता है। प्रत्येक विधा को पढाते समय विषयोपस्थापन अलग - अलग ढंग से किया जाता है। इसमे यति, गति, लय, स्वर ह्रस्व - दीर्घादि, संयुक्ताक्षर, कविता मे भावावगाहन पूर्वक पाठ का अनुपालन व प्रदर्शन अनिवार्य है। जैसे कविता पाठ के समय आदर्श वाचन, अनुकरणवाचन के बाद विविध विधियों के काठिन्य - निवारण, पाठों का संवर्धन- प्रवर्धन, प्रश्नोत्तर माध्यम से सार-कथन किया जाता है।

(3) स तुलना - जिन- जिन स्थलों पर कठिनाई होती है उन शब्दों व भावों को स्पष्ट करने के लिए विविध दृश्य - श्रव्य सामग्री का प्रयोग किया जाता है तथा तुलना करवाते हुए विषय स्पष्ट किया जाता है।

(4) सामान्यीकरण - पाठ के निष्कर्ष अथवा सार पर छात्र - छात्रायें पहुँचने का प्रयत्न करते हैं। कहानी - कविता शिक्षण में पाठ का सार अध्यापक द्वारा बताना तथा छात्रों से प्रश्नों द्वारा मुख्य भाव ज्ञात करना। समान भाव की कविता के आधार पर प्रश्न - पूछना आदि।

(5) प्रयोग - पाठ को पढने व तुलनात्मक अध्ययन करने के बाद नवार्जित ज्ञान को व्यवहार मे लाने की योग्यता छात्रों मे उत्पन्न करना आवश्यक है। यहाँ छात्र- छात्राओं से अभ्यास कार्य करवाया जाता है। यह अभ्यास कार्य- कक्षाकार्य व गृह कार्य माध्यम से सम्पन्न होता है। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों के प्राप्त ज्ञान को परिपुष्ट करना है।

Teacher's Signature Dr. Shyam Bihari Choudhary